RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

# स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 2 | लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

# सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियो स्टूडियो न्यूज़ के अगस्त 2019 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। आजकल लगभग सभी फोटोग्राफर आधुनिक उपकरणों से परिचित हैं और इसका उपयोग अपने काम को बनाने, दिखाने और सुधारने के लिए करते हैं। कुछ नए कैमरे, लेंस, कंप्यूटर जैसे आवश्यक हैं, और कुछ पूरक हैं। इन सब उपकरणों का इस्तेमाल आपकी कार्यशैली और उन तस्वीरों पर निर्भर करता है जिन्हें आप बनाना चाहते हैं। कैमरा और एडिटिंग तकनीक पिछले एक दशक में तेजी से बदली है। अतीत में, कुछ चुनिंदा प्रशिक्षित विशेषज्ञ ही फोटोग्राफी में रूचि लेते थे, क्योंकि उपकरण और प्रबंधन में पर्याप्त ज्ञान की आवश्यकता होती थी। अब, फोटोग्राफी कहीं अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल हो गई है और फोटोग्राफी में रूझान दिखाते हैं कि यह क्षेत्र अब पेशेवरों तक सीमित नहीं है! अतएव ये जरूरी हो जाता है कि फोटोग्राफर साथी जिस उपकरण का इस्तेमाल करें उसका कम से कम 70 प्रतिशत इस्तेमाल कर सके। तकनीकी दृष्टिकोण सुदृढ़ होने से फोटोग्राफी के क्षेत्र आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त्र होंगे। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया, लोगों को इस बात के लिए दबाव डालता है कि पहले जो आवश्यक समझा गया था, उससे अधिक तस्वीरें लेने की अपेक्षा की गई थी, उन तस्वीरों की गुणवत्ता भी बेहतर हो। पहले के परिदृश्य में, एक शादी में फोटोग्राफी का बजट ज्यादातर बहुत कम रखा जाता था परन्तु अब नहीं! सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करने की प्रवृति ने प्रोफेशनल फोटोग्राफर को चुनने के लिए बाध्य किया है, जिससे वे अपनी शादी के क्षणों को प्रभावी ढंग से लोगो के साथ शेयर कर सके। आज के समय में विजुअल्स का बहुत बड़ा मार्केट हो गया है। लोग फोटो और वीडियो के द्वारा बातों को समझना चाहते है इसलिए फ़ोटो और वीडियो का उपयोग ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग में अधिक किया जा रहा है। आने वाले समय में फोटोग्राफर्स साथियो के लिए 12 महीने कार्य उपलब्ध रहेगा, परन्तु इसके लिए नए आने वाले कैमरो के साथ-साथ नए सॉफ्टवेयर को भी जानना जरूरी होगा। आज के समय में अगर किसी को नया उपकरण खरीदना है तो सबसे पहले उसके बारे में जानकारी प्राप्त करें तथा उसको स्वयं चला कर भी देखे। सुनी सुनाई बातों पर विश्वास न करके स्वयं उपकरण को ट्रायल करके देखें। जब संतुष्ट हो जाये तब उस उपकरण को खरीदें।

उपकरण के बाद आप कैसे फोटोग्राफी सीखे ये एक बहुत बड़ा सवाल है। हमारा मानना है कि आपके जो सीनियर साथी है उनसे ज्ञान अर्जित कीजिये। किसी भी कार्य में अनुभव का होना अति आवश्यक होता है। इसके अलावा आप नेट में अपने कार्य के अनुसार फेमस फोटोग्राफर्स की फोटो का भी अध्ययन कर सकते हैं, जिससे आपको आईडिया लगता है कि दुनिया भर में किस तरह का काम या ट्रेंड चल रहा है। फोटोग्राफी कंपनी द्वारा आयोजित या और कोई भी वर्कशॉप में जरूर जाईये, वहाँ पर भी आपको सीखने के लिए मिलेगा। वर्कशॉप में मेंटर का बहुत बड़ा योगदान होता है इसलिए कोशिश कीजिये ऐसे मेंटर को बुलाइये जिनसे आप सीख सके। फोटो प्रदर्शनी भी जरूर देखने जाइये, वहाँ भी आपको सीखने के लिए बहुत कुछ मिलेगा क्योंकि फोटो प्रदर्शनी में आप फोटोग्राफर से मिल कर उसकी खींची हुई फोटो के बारे में डिटेल जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इन सबके के अलावा आज की तारीख में मार्केटिंग और टीम वर्क फोटोग्राफर के लिए जरूरी है।

इस बार हमने फोटो एडिटिंग से सम्बंधित विषय को भी आपके लिए लिखा है। इस अंक में इतना ही, अगले अंक में नए विषय के साथ।

**सुरेंदर सिंह बिष्ट**
**सम्पादक**

## निकॉन इंडिया ने चेन्नई में एक्सपीरियंस जोन खोला

निकॉन इंडिया, निकॉन कॉरपोरेशन की 100 फीसद सब्सिडियरी ने चेन्नई में 7 जून 2019 को अपना नया एक्सपीरियंस ज़ोन खोला। यह नया जोन निकॉन का एक कदम है उस वादे को पूरा करने का जो उसने फोटोग्राफर समुदाय से किया था। यानी कि उन्हें अपना हर इनोवेटिव प्रोडक्ट मुहैया कराने का। इस जोन का उद्घाटन किया श्री सज्जन कुमार ने, जो कि मैनेजिंग डायरेक्टर हैं निकॉन इंडिया, विजुअल प्वाइंट #46-ए, तीसरा एवैन्यू, विवेक्स के सामने, राउंडताना के निकट, अन्ना नगर चेन्नई में।

चेन्नई में यह नया एक्सपीरियंस जोन देगा युवा फोटोग्राफर्स को निकॉन के प्रोडक्ट्स की रेंज जिसमें है निकॉन मिररलेस सीरीज़, डीएसएलआर कैमरा और साथ ही में निकॉन की कूलपिक्स रेंज, निक्कॉर लेंस व स्पोर्ट ऑप्टिक रेंज इत्यादि।

# अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

## कैनन पॉवर शूट जी7 एक्स III में है CMOS सेंसर, लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग

दिखने में यह पुराना लगेगा लेकिन पॉवर शॉट जी7 एक्स मार्क III पूर्णतया एक नया कैमरा है। इसमें 20 MP CMOS सेंसर, 30 FPS रॉ बर्स्ट शूटिंग और 4K/30P वीडियो कैप्चर है। जी7 III के साथ सबसे बड़ी बात है यूट्यूब पर लाइव वीडियो स्ट्रीम करने की इसकी योग्यता।

## कैनन पॉवर शूट जी5 एक्स मार्क II के पास है तेज 24-120 एमएम के बराबर लेंस व पॉप अप ईवीएफ

कैनन का पॉवर शॉट जी5 एक्स II ने अपने एसएलआर स्टाइल डिजाइन को भले ही खो दिया हो लेकिन 20एमपी CMOS सेंसर इसे मिल गया है जो कि 24-120 के बराबर है। एफ 1.8-2.8 लेंस, क्रॉप लेंस 4K वीडियो, 30FPS रॉ बर्स्ट शूटिंग व पॉप-अप इलेक्ट्रॉनिक व्यूफाइंडर।

## सोनी का FE 35mm F1.8 लेंस

सोनी ने रिलीज किया FE 35mm F1.8 लेंस, इस तेज मध्य वाइड एंगल लेंस जिसमें फुल फ्रेम ए7 और ए9 कैमरे हैं की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। हल्के वजन वाले FE में कई फीचर पुराने FE 85mm F1.8 के समान हैं।

## मोमेंट ने कंज्यूमर ड्रोन के लिए विश्व के पहले एनामॉर्फिक लेंस की घोषणा

बीते वर्ष, मोमेंट ने स्मार्टफोन से एनामॉर्फिक लेंस पेश किया। कंपनी ने तय किया है कि इसे एक कदम आगे लेकर जाएंगी और डीजेआइ मैविक2 प्रो व जूम कंज्यूमर ड्रोन के साथ कंपैटेबल बनाएगी।

## SIRUI ने पेश किया 400MM टेलीफोटो, एनामॉर्फिक लेंस स्मार्टफोन के लिए

चाइनीज कंपनी SIRUI जो कि खासतौर पर फोटोग्राफी के संबंधित वस्तुओं पर केंद्रित है, ने दो नए मोबाइल लेंस के बारे में बताया है जो फोटोग्राफर्स के लिए डिजाइन किए गए हैं। लंबी फोकस किट के साथ टीएल-400 और वीडी-01 एनामॉर्फिक लेंस। दोनों ही मोबाइल लेंस में है Schott ऑप्टिकल ग्लास, मल्टीलेयर एंटी-रिफ्लेक्शन कोटिंग आदि।

## लीका ने V-Lux 5 की घोषणा की, यह ल्यूमिक्स FZ1000II रीडिजाइन है

लीका ने V-Lux 5 ने रिलीज किया, यह रीब्रांड पैनासॉनिक ल्यूमिक्स डीसी-एफजेड1000II है। पॉप-अप फ्लैश केसिंग, घुमावदार किनारे, लीका ब्रैंडिंग व रेड डॉट जैसे बदलावों के अलावा इसमें वैरियो एल्मैरिट 24-400 MM F 2.8-4 ASPH लेंस है।

## सिग्मा ने कैनन ईएफ-एम माउंट के लिए 16एमएम, 30एमएम और 56एमएम डीसी डीएन प्राइम लेंस की घोषणा की

सिग्मा ने बताया कि एपीएस-सी और माइक्रो फोर थर्ड के लिए उसके 1.4 डीसी डीएन प्राइम लेंस की तिकड़ी कैनन इएफ-एम माउंट में जल्द ही उपलब्ध होगी। इन लेंस में शामिल है 16एमएम एफ1.4, 30 एमएम एफ1.4 और 56 एमएम एफ1.4

## सिग्मा का 14-24 MM F2.8 DG DN आर्ट फुल-फ्रेम मिररलेस के लिए

सिग्मा ने एल-माउंट और सोनी ई-माउंट के लिए 14-24 MM F2.8 आर्ट का एलान किया जो कि अगस्त में आ रहा है। इसकी विशेषता इसमें रियर फिल्टर होल्डर है।

## सिग्मा 35 एमएम एफ 1.2 डीजी डीएन आर्ट आ रही है फुल फ्रेम सोनी और एल माउंट बॉडीज़ के लिए

सिग्मा ने एलान किया गया है अपने अल्ट्रा फास्ट 35 एमएम एफ 1.2 प्राइम लेंस सोनी ई और पैनासॉनिक/लीका एल माउंट बॉडीज के लिए। लेंस में है एस्फिरिकल व एसएलडी एलिमेंट, व 11 ब्लेड अपर्चर।

## बेन क्यू का SW270C मॉनिटर में है 27" 16:9 HDR IPS डिस्प्ले और 99% एडोब RGB कवरेज

बेन क्यू ने लॉन्च किया SW270C, फोटोव्यू फोटोग्राफर फोटो एडिटिंग मॉनिटर सीरीज में नया मॉनिटर। नया 16:9 27-इंच आइपीएस मॉनिटर (2560 x 1440 at 60 Hz) में है हार्डवेयर कलर कैलिब्रेशन और बेन क्यू का नया कलर यूनिफॉर्मिटी तकनीक, जो कि कलर को सटीक रखता है। मॉनिटर में है बेन क्यू का नया कलर यूनिफॉर्मिटी तकनीक और अपडेटेड हॉटकी पुक जो कि सेटिंग बदलने में सहूलियत देता है।

## सोनी ने लॉन्च किया दुनिया का सबसे तेज यूएसबी हब

सोनी ने अपने नए यूएसबी हब का एलान किया है जिसमे है कार्ड रीडर और यह फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर व अन्य क्रिएटिव पर टारगेट है। कंपनी का दावा है कि इसका एमआरडब्लू-डब्लू 3 हब दुनिया का सबसे तेज यूएचएस-II एसडी (व माइक्रो एसडी) कार्ड रीडर है जो कि 300एमबी/से. तक रीड रेट को सपोर्ट करता है और बड़ी संख्या में रॉ इमेज या 4K वीडियो क्लिप कंप्यूटर से ट्रांसफर करने के योग्य बनाता है।

## सोनी ने 61MP फुल फ्रेम सेंसर के साथ ए7आर IV का परिचय कराया

सोनी ने अपने ए7आर IV का परिचय कराया जिसे कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक आयोजन में मिररलेस में अपना अगला माइलस्टोन बताया था। कैमरे में है फुल फ्रेम 61एमपी BSI-CMOS सेंसर और डायनामिक रेंज के 15 स्टॉप, एक रीडिजाइन बॉडी, 10 एफपीएस बर्स्ट शूटिंग, और रियल टाइम आइ AF स्टिल व वीडियो के लिए।

## डीजेआइ ने लॉन्च किया रॉनिन-एससी, एक हल्का गिंबल मिररलेस कैमरा सिस्टम के लिए

रॉनिन एस के मुकाबले रॉनिन एससी हल्का व छोटा है और डीजेआइ से इसमें नए फीचर्स भी हैं जैसे कि फोर्स मोबाइल व एक्टिव ट्रैक 3.0 डीजेआइ का नया रॉनिन एससी एक कंपैक्ट, सिंगल हैंडेड 3 एक्सिस गिंबल है जो कि मिररलेस कैमरों के लिए डिजाइन किया गया है। यह कंपनी के मशहूर रॉनिन-एस गिंबल जैसा ही है लेकिन छोटा और हल्का और साथ ही नए फीचर्स के साथ।

## जीएफएक्स कैमरों के लिए फूजीफिल्म जीएफ 50एमएम एफ3.5 आर एलएम डब्लू आर छोटा और हल्का लेंस है

जीएफएक्स मीडियम फॉर्मेट सिस्टम के लिए फूजीफिल्म ने अपने फूजीनॉन जीएफ 50एमएम एफ 3.5 आर एलएम डब्लू आर लेंस की घोषणा की। यह छोटा लेंस है जिसका वजन केवल 335 ग्राम है और यह इस प्रकार से सील है कि मौसम से पूरी तरह बचा रहे। लेंस के 9 एलिमेंट में एक एस्फिरिकल है, साथ ही 9 ब्लेड अपर्चर और सीधा ऑटोफोकस मोटर है।

## कोडैक मोबाइल फिल्म स्कैनर 35mm फिल्म और स्लाइड को स्कैन करने का एक कार्डबोर्ड आधारित तरीका है

यदि आप स्कैन करने के साधारण तरीके को तवज्जो देते हैं तो यह सही विकल्प है।

## सोनी का साइबर-शॉट DSC-RX100 VII सुपर कंपैक्ट 90 FPS बर्स्ट व माइक सॉकेट

सोनी ने अपने साइबर शॉट DSC-RX100 VII के बारे में बताया जो कि इसके पहले पॉकेट कैमरा सीरीज की सातवीं श्रेणी है। इसमें कंपनी के सभी आधुनिक AF हैं, साथ ही 90 FPS पर शार्ट बर्स्ट को शूट करने की और बेहतरीन ऑडियो कैप्चर के लिए माइक सॉकेट की क्षमता है।

# स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 2 | लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

फोटो एडिटिंग - पेज 4

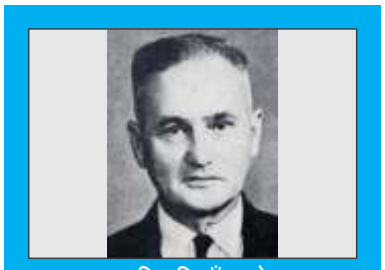

महान विभूतियाँ - पेज 7

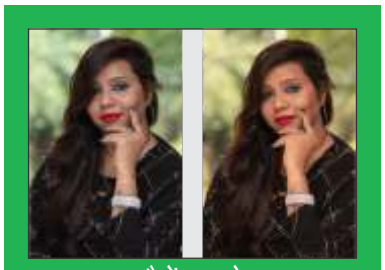

व्हाइट बैलेंस - पेज 8-9

सीनकटर - पेज 10-11

IPPAWARDS - पेज 13

# FUJIFILM X-T30 : कॉम्पैक्ट डिजाइन में प्रभावशाली इमेजिंग

एक्स-टी30 का वजन 383 ग्राम है और इसमें है 26.1एमपी एक्स-ट्रांस CMOS 4 सेंसर और तेज एक्स-प्रोसेसर 4 इमेज प्रोसेसिंग इंजन। यह बेहतरीन इमेज क्वालिटी देने के लिए है। इसके अलावा यह देता है पूरे फ्रेम में सटीक AF प्रदर्शन और 30FPS तक साइलेंट और लगातार शूटिंग क्षमता। यह सुनिश्चित करता है कि आप कभी भी विभिन्न परिस्थितियों में तस्वीर लेने का कोई भी अवसर गंवाएंगे नहीं।

हाई रिज्यॉल्यूशन ऑडियो के साथ 4K वीडियो रिकॉर्ड करने की इसकी क्षमता उन लोगों की जरूरतों को पूरा करेगी जो फुल स्केल वीडियो प्रोडक्शन से जुड़े हुए हैं।

### चौथी जेनरेशन

### मिररलेस कैमरा अब नई क्षमताओं के साथ

फूजीफिल्म एक्स-टी30 में एक्स सीरीज़ के चारों जेनरेशन के फीचर्स हैं। पहले से हल्की बॉडी में, आधुनिक एक्स-ट्रांस CMOS 4 सेंसर और इमेज प्रोसेसिंग इंजन के कॉम्बिनेशन में बेहतर इमेज गुणवत्ता और प्रोसेसिंग स्पीड इसमें शामिल है।

### एक्स ट्रांस CMOS 4 सेंसर

### बैक इल्यूमिनेटिड 26.1 MP इमेज सेंसर

फूजीफिल्म एक्स-टी30 में है एक्स सीरीज चौथी जेनरेशन एक्स ट्रांस CMOS 4 सेंसर। 26.1 MP के रिज्यॉल्यूशन के साथ सेंसर यूनीक एक्स ट्रांस कलर फिल्टर एरे का प्रयोग करता है गलत यानी फॉल्स रंगों को कम करने के लिए बिना किसी ऑप्टिकल लो पास फिल्टर के। इसका बैक इल्यूमिनेटिड ढांचा इमेज क्वालिटी को बढ़ाता है और सेंसिटिविटी को भी ISO 160 तक बढ़ाता है।

### एक्स-प्रोसेसर 4

### अधिकतम प्रदर्शन के लिए इमेज प्रोसेसिंग इंजन

नया एक्स-प्रोसेसर 4 में है क्वाड कोर डिजाइन जिससे एक्स ट्रांस CMOS 4 सेंसर की पूरी क्षमताओं का सदुपयोग किया जा सके। प्रोसेसर और सेंसर का यह कॉम्बिनेशन देता है बेहतरीन रंग और टोन, साथ ही तेज चलने वाले ऑब्जेक्ट को पहचान कर सटीक ऑटोफोकस देने वाले कैमरा की योग्यता, साथ ही 4K/30P वीडियो की क्षमता।

### कैप्चर

### तेज और अधिक सटीक AF प्रदर्शन

सेंसर में फेज डिटेक्शन पिक्सल की संख्या 2.16 मिलियन तक बढ़ गई है और फेज डिटेक्शन AF क्षेत्र पूरे फ्रेम को कवर करता है, इससे तेज और सटीक ऑटोफोकस मिलता है।

### AF मोड

**AF-S + सिंगल प्वाइंट :** सब्जेक्ट में एक चुनिंदा बिंदु को फोकस करने के लिए बेसिक एएफ मोड

**AF-S+ ज़ोन :** विस्तृत AF क्षेत्र में चलने वाले सब्जेक्ट को कैप्चर करने के लिए

**AF-S + वाइड :** सब्जेक्ट जो कि फ्रेम में निरंतर चलते फिरते दिख रहा है उसे ऑटोमैटिकली कैप्चर करने के लिए

**AF-C+ सिंगल प्वाइंट :** सब्जेक्ट को कैप्चर करना जो सीधे चल रहा है

**AF-C+ जोन :** सब्जेक्ट को ट्रैक करना जो कि कम चैलेंजिंग मूवमेंट कर रहा हो जो कि मैनुअली कैप्चर किया जा सके

**AF-C + ट्रैकिंग :** सब्जेक्ट को जोकि लगातार हिल रहा हो उसे ऑटोमैटिकली ट्रैक करना

### मैकेनिकल शटर व इलेक्टॉनिक शटर

मैकेनिकल शटर इस्तेमाल करने के साथ फूजीफिल्म एक्स-टी30 लगातार 8.0 FPS तक शूट कर सकता है। साथ ही देता है स्पोर्ट व्यूफाइंडर मोड जो कि पिक्चर को क्रॉप्ड एरिया में ही शूट करता है, ताकि आप सब्जेक्ट के मूवमेंट को शूटिंग फ्रेम में आने से पहले भी चेक कर सकें। इलेक्ट्रॉनिक शटर के इस्तेमाल से फूजीफिल्म एक्स-टी30 ब्लैकआउट फ्री हाई स्पीड 30 FPS तक लगातार शूटिंग को सपोर्ट करता है। जब इलेक्ट्रॉनिक शटर सेलेक्ट हो तब आप साइलेंट मोड चुन सकते हैं।

### बेहतर पोट्रेट फोटोग्राफ के लिए फेस व आई डिटेक्शन AF

फेस व आई डिटेक्शन AF का ट्रैकिंग प्रदर्शन पिछले मॉडल्स के मुकाबले दुगने रूप से अच्छा है। फूजीफिल्म एक्स-टी 30 लोगों व किसी सीन की सामने व साइड प्रोफाइल पर सटीक फोकस बनाता है जिसे ट्रैक करना एक मुश्किल काम है। AF-C मोड आई-डिटेक्शन AF को सपोर्ट करता है। आई-डिटेक्शन AF प्रियॉरिटी फोकस पर कनफिगर कर सकते हैं। पोट्रेट फोटोग्राफी में यह एक ताकतवर टूल है जो फोकस के सटीक होने की डिमांड करता है।

### "फेस सेलेक्ट" फंक्शन महत्वपूर्ण सब्जेक्ट को कैप्चर करना सुनिश्चित करता है

जब फ्रेम में कई चेहरे हो तो आप टचस्क्रीन पैनल या फोकस लीवर से किसी एक चुनिंदा व्यक्ति को सेलेक्ट कर सकते हैं ताकि सब्जेक्ट के लिए ऑटोफोकस व एक्सपोजर सेटिंग ऑप्टिमाइज हो सके।

भीड़ में यदि किसी एक व्यक्ति की तस्वीर लेनी हो अथवा स्पोर्ट या किसी अन्य कार्यक्रम को कैप्चर करने की स्थिति में "फेस सेलेक्ट" एक परफेक्ट टूल है।

### फिल्म

### 4K/30P वीडियो रिकॉर्डिंग व हाई रिज्यॉल्यूशन डिजिटल ऑडियो

शुक्र है चौथी जेनरेशन इमेज सेंसर व प्रोसेसर का, फूजीफिल्म एक्स-टी 30 देता है लाजवाब 4K वीडियो रिकॉर्डिंग फीचर्स। यह 4K (3810×2160) में गजब की क्वालिटी लाने के लिए 6K (6240×3510) में रिकॉर्ड करता है। कैमरा DCI फॉर्मेट (17:9) भी सपोर्ट करता है। यह आपके वीडियो को सिनेमैटिक लुक देता है।

### वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान फेस व आई डिटेक्शन AF

वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान फेस व आई डिटेक्शन AF भी उपलब्ध है। फेस सेलेक्ट फंक्शन के साथ आप टचस्क्रीन पैनल या फोकस लीवर की मदद से फोकस में आने वाले को स्विच कर सकते हैं।

### 4K वीडियो फिल्म सिम्यूलेशन मोड

आप 4K मूवी किसी भी फिल्म सिम्यूलेशन मोड के साथ शूट कर सकते हैं। ETERNA खास तौर पर वीडियो के लिए सही है। इसमें रंग और बेहतरीन शैडो टोन हैं, जो कि सिनेमैटिक लुक देते हैं।

### तेज प्रदर्शन वाला इलेक्ट्रॉनिक व्यूफाइंडर

फूजीफिल्म एक्स-टी30 में है ईवीएफ लगभग 2.36 मिलियन डॉट और मैग्निफिकेशन अनुपात 0.62× के साथ। पिछले मॉडल्स के मुकाबले यह हाई रिज्यॉल्यूशन है और आपको देता है DSLR के जैसा ही मैग्निफिकेशन अनुपात।

### टिल्टिंग टचस्क्रीन एलसीडी मॉनिटर

फूजीफिल्म एक्स-टी30 में है 3.0 इंच टिल्टिंग टचस्क्रीन एलसीडी मॉनिटर जिसमें है 3:2 अनुपात व लगभग 1.04 मिलियन डॉट। इसके टेढ़े डिजाइन से हाई व लो एंगल से आराम से शूटिंग हो जाती है। सारी शूटिंग जानकारी, सामान्यतः मॉनिटर पर दिखती है और जब भी आप केवल तस्वीर लेने पर फोकस करना चाहें तो यह बंद हो सकता है।

### कैप्टिव टचस्क्रीन पैनल

इसमें है टचस्क्रीन पैनल। फूजीफिल्म एक्स-टी30 देता है टच के आधार पर शूटिंग के दौरान कंट्रोल, जैसे कि टच AF, टच फोकस एरिया सेलेक्शन, टच शूट और टच फंक्शन। इसका मतलब है कि आप अपना फोकस एरिया पहले से अधिक बेहतर तरह से मूव कर सकते हैं।

### ब्लूटूथ से ऑटोमैटिक ट्रांसफर

फूजीफिल्म एक्स-टी30 को ब्लूटूथ वाली स्मार्ट डिवाइस से पेयर किया जा सकता है, इससे जो तस्वीरें आपने ली हैं उसे तुरंत सोशल मीडिया पर शेयर कर सकते हैं। कनेक्शन में अन्य फीचर्स भी हैं, जैसे कि स्मार्टफोन व कम्प्यूटर से रिमोट शूटिंग, डिवाइस से ली गई तस्वीरों को देखना तथा इंस्टैक्स प्रिंटर से सीधा प्रिंट दे देना।

# एडिटिंग अच्छी हो तो तस्वीर के मायने बदल जाते हैं

सुशील राणा

It doesn't matter, how good a photographer is, Photo editing always plays a fundamental role in final result of on image. यहाँ तक कहा गया "Digital cameras take ugly photos." ये कुछ ज्यादा ही हो गया, पर समझने की जरूरत है बात यहाँ तक पहुंची कैसे!

एनालॉग फोटोग्राफी (फिल्म फोटोग्राफी) वाले कैमरा में अलग-अलग light sensitive silver based फिल्म पर फोटो डेवलप होती थी। डिजिटल कैमरा में लाइट को इलेक्ट्रिक सिग्नल में कन्वर्ट किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान डिजिटल कैमरा की फोटो बाहर आने से पहले ही एडिट हो चुकी होती है (कैमरा के सेटिंग के अनुसार)। दूसरा अलग-अलग आवश्यकता अनुसार जो विभिन्न प्रकार की फिल्म पहले इस्तेमाल होती, DSLR में वो प्रभाव पैदा किया जाता है recorded electric signal को जूम करके, जो फिल्म जैसा बेहतर तो नहीं होता है। इसी वजह से कुछ अतिश्योक्ति में उपर्युक्त वाक्य कहा गया होगा।

लेकिन एक बात तो सिद्ध होती है, कि डिजिटल फोटो में पोस्ट प्रोडक्शन (फोटो एडिटिंग) एक प्राणदायी तत्व जरूर है। ये जरूरी नहीं है कि हर फोटो को एडिट किया जाए। ये भी जानना जरूरी है कि अच्छी एडिटिंग भी खराब सेटिंग से लिए फोटो को ठीक नहीं कर सकती है। फोटो शूट करते समय प्रॉपर फ्रेमिंग, एक्सपोज़र, फोकस इत्यादि पर ध्यान देना जरूरी है। तस्वीर आउट ऑफ़ फोकस है तो, फोटो एडिटिंग कुछ नहीं कर सकती। यदि आपकी तस्वीर बहुत ज्यादा डार्क या ब्राइट है तो एडिटिंग की फ्लेक्सीबिलिटी सीमित हो जाती हैं। अतः जहां तक हो सके ज्यादा से ज्यादा इनफार्मेशन शूट की जाए, जो रॉ फॉर्मेट में सबसे बेहतर होती है, फिर उसे मास्टरपीस में तब्दील किया जा सकता है।

**इमेज एडिटिंग अर्थात पोस्ट प्रोडक्शन**

जब फोटो एडिटिंग की बात होती है तो दिमाग में आता है, चिकना खूबसूरत चेहरा, पतली कमर, छरहरा बदन। लेकिन फोटो एडिटिंग का मुख्य काम है फोटो शूट करते समय जो कमी रह गयी है, उन प्रॉब्लम को दूर किया जाए, साथ ही फोटो को ज्यादा प्रभावी कैसे बनाना तथा अपना सिग्नेचर स्टाइल उसमें एड करना। फोटो एडिटिंग द्वारा साधारण फोटो को असाधारण बनाया जा सकता है। आपकी फॅमिली फोटो, वेडिंग फोटोज, पार्टी फोटोज, बर्थडे, ग्रेजुएशन सरेमोनी, एनिवर्सरी, अन्य फंक्शन फोटो, छुट्टी में मौज मस्ती की फोटो को खूबसूरत यादों में बदला जा सकता है।

पिक्चर एडिटिंग केवल व्यक्तिगत उद्देश्य के लिए ही नहीं की जाती है, इससे आपके व्यवसाय में बहुत फायदा पहुँचता है, आपकी मार्केट संभावनाए बढ़ जाती हैं। उदाहरण के रूप में आप आर्किटेक्ट फोटो ले लीजिये। फोटो एडिटिंग से कमरे की डिटेलिंग, वाल की फिनिशिंग, ड्राइंग रूम की लक्ज़री को बढ़ाने के साथ-साथ उसकी एस्थेटिक अपील को बढाकर, क्लाइंट को आकर्षित / प्रभावित कर बिज़नेस में फायदा उठाया जा सकता है। प्रॉपर्टी को जल्दी और प्रभावित तरीके से बेचा जा सकता है। फैशन फोटोग्राफी में कलर, टेक्सचर, डिटेल्स और स्टाइल को उभरकर उसे ज्यादा आकर्षक बनाया जा सकता है। पोर्टफोलियो फोटो को बेहतर बना कर मॉडल के लिए संभावनो का बड़ा आसमान खुल जाएगा। पोर्ट्रेट एडिटिंग पर्सनालिटी फोटो को बेहतर करने के साथ-साथ फैशन फोटोग्राफी, मैगजीन, ई-कामर्स वेबसाइट, के साथ अन्य प्रोजेक्ट में भी फायदा उठाया जा सकता है।

प्रोडक्ट फोटोग्राफी में फोटो एडिटिंग से प्रोडक्ट को ज्यादा विक्रय योग्य बनाया जाता है।

**फोटो एडिटिंग का इतिहास**

आज कंप्यूटर पर बैठकर फोटो एडिटिंग करना जितना सहज है, पहले उतना आसान नहीं था बल्कि कहा जाए तो बहुत कठिन था। पहले डार्करूम में ही फोटो एडिटिंग का सारा काम होता था। कई नेगटिव को साथ रखकर फोटो एक्सपोस का प्रयोग किया जाता था। घोस्ट शिलआउट का उपयोग, एनलार्जर के नीचे हाथों से लाइट रोककर विशेष इफ़ेक्ट क्रिएट किया जाता था।

बाद में एडोब फोटोशॉप ने फोटो एडिटिंग का स्वरूप ही बदल कर रख दिया। जो काम तब असंभव जान पड़ता था फोटोशॉप ने उसे संभव बना दिया। फोटोशॉप के अलावा भी कई साफ्टवेयर हैं जिन्होंने फोटो एडिटिंग को आसमान पर पहुंचा दिया।

**प्रक्रिया :**

डिजिटल फोटोग्राफी में फोटो को रिक्रेएट (फिर से बनाना) किया जाता है। सामान्यता फोटो एडिटिंग में चार बातों पर ध्यान दिया जाता है-

1. फिक्स प्रॉब्लम्स (दिक्कतें दूर करना)
2. enhancing फोटोज (डिटेल बढ़ाना)
3. Minimize Distraction (विकर्षण कम करना)
4. Putting your signature style (अपना सिग्नेचर स्टाइल बनाना)

**साधारण एडिटिंग -**

**1. क्रॉपिंग :** गुड टाइट क्रॉपिंग बहुत महत्वपूर्ण है। क्रॉपिंग का मुख्य उद्देश्य है इमेज के अनावश्यक पार्ट को काटकर मुख्य विषय को उभारना।

**2. नॉइज़ रिडक्शन :** अनवांटेड एलिमेंट (पिक्सल) जो इमेज को खराब कर देते हैं उन्हें ख़त्म या कम करके फोटो को एक जैसा समान लुक देना।

**3. वाइट बैलेंस :** वाइट बैलेंस से पूरी इमेज के कलर टेम्परेचर को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके इस्तमाल से पिक्चर को वार्म या कूल लुक दिया जा सकता है।

**4. कलर एडजस्टमेंट/कलर करेक्शन :** आवश्यकता अनुसार इमेज के इंडिविजुअल कलर को बदला जा सकता है।

**5. कंट्रास्ट :** कंट्रास्ट अक्सर हमारी आँखों को अच्छा लगता है, इसलिए कंट्रास्ट बढ़ाकर इमेज को और आकर्षित बनाया जा सकता है।

**6. एक्सपोज़र :** शूटिंग के समय जो कमियाँ (अण्डर/ओवर एक्सपोज) रह गयी हैं उन्हें पोस्ट प्रोडक्शन में ठीक किया जा सकता है।

**7. लेंस करेक्शन :** हर लेंस की अपनी प्रॉपर्टी होती है, जिसके कुछ फायदे होते हैं तो दिक्कतें भी पैदा करते हैं। जैसे वाइड एंगल लेंस से फोटो प्रोस्पेक्टिव डिसटॉर्ट हो जाता है, लेकिन कम स्पेस में ज्यादा एरिया वाइड एंगल लेंस से कवर किया जा सकता है। फोटो एडिटिंग में लेंस डिस्टार्शन ठीक किया जा सकता है।

**8. बैकग्राउंड बदलना :**

**कुछ जटिल तकनीक**

1. पोर्ट्रेट करेक्शन, जैसे की स्किन के दाग धब्बे दूर करना, स्किन स्मूथ करना, बॉडी शेपिंग, डॉजिंग एण्ड बर्निंग आदि।
2. शैडो (ड्राप या रिफ्लेक्टिव) क्रिएट करना
3. स्पेशल इफ़ेक्ट : कलर ग्रेडिंग, मौसम बदलना, फॉग-स्मोक जोड़ना इत्यादि।
4. इमेज स्टिचिंग : कई फोटो को एक साथ जोड़ना।
5. इमेज मैनीपुलेशन : कई फोटो से विभिन एलिमेंट लेकर एक नया ही फोटो क्रिएट करना।

फोटो एडिटिंग से क्या-क्या हासिल किया जा सकता है

1. त्वचा चिकनी करना, आँखों की शार्पनेस बढ़ाना, मेकअप ठीक करना, बालों को सेट करना, पिम्पल या अन्य दाग धब्बो को दूर करना, मॉडल को मोटा या पतला करना, मॉडल के हाथों को री-पोजिशन करना इत्यादि।
2. अनचाही बैकग्राउंड को बदलना।
3. कम्पोजीशन बेहतर करना। अनचाहे एलिमेंट को हटाकर या सेकेण्डरी सब्जेक्ट को ब्लर करके मुख्य विषय को उभारा जा सकता है। विभिन कलात्मक सिद्धांत के आधार पर (जैसे रूल ऑफ़ वन थर्ड) के आधार पर कम्पोजीशन सेट करना।
4. तमाम फोटोग्राफिक एलीमेंट्स को इमप्रूव करना, जैसे कलर, कंट्रास्ट, ब्राइटनेस, शार्पनेस, नॉइज़, ग्रेन्स, इत्यादि।
5. पुरानी कटी-फटी फोटो को नया (restore) किया जा सकता है।
6. आर्टिस्टिक इफ़ेक्ट क्रिएट करना, जैसे आयल पेंटिंग, वाटर कलर पेंटिंग, पेंसिल स्केच।
7. फैंटेसी सीन क्रिएट करना।
8. ब्लैक एंड वाइट कलर या फिर कलर को ब्लैक एंड वाइट करना।
9. एक्शन, इमोशन, ड्रामा क्रिएट करना।

सही मायने में देखा जाए तो फोटो एडिटिंग की कोई सीमा नहीं है। दिन को रात किया जा सकता है, गर्मी के मौसम को जाड़े के मौसम में बदला जा सकता है, बारिश की जा सकती है, साधारण चहरे को फिल्मस्टार जैसा लुक दिया जा सकता है। किसी भी युवती को फैशन मॉडल बना सकते है। आवश्यकता अनुसार कुछ भी क्रिएट किया जा सकता है।

पर निम्न दो बातों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए

1. एडिटिंग कम से कम हो, बहुत ज्यादा नहीं, वर्ना पिक्चर की मौलिकता (originality) समाप्त हो जायेगी।
2. एडिटिंग के दौरान पिक्चर के मुख्य विषय को अपने मूल स्वरूप में रक्खा जाए।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

एक अच्छी तस्वीर जानती है कि किस स्थान पर खड़ा होना है - एन्सल एडम्स

Canon
Delighting You Always

GET AN **UNBEATABLE OFFER**

Buy
**EOS RP KIT**
and Get upto
**20%**
off on MRP

**EOS RP** (RF 24-105 mm f/4L IS USM Lens)
MRP ₹ **199 490.00**/U incl. of all taxes

**ALSO GET FREE ACCESSORIES**

**RF MOUNT ADAPTER**
(MRP ₹ 7 995.00/U incl. of all taxes)

**EXTENSION GRIP EG-E1**
(MRP ₹ 6 395.00/U incl. of all taxes)

**EXTRA LP-E17 BATTERY**
(MRP ₹ 3 095.00/U incl. of all taxes)

WORTH ~~₹17 485.00~~
**ABSOLUTELY FREE**

*Offer valid till stocks last.

Follow Canon India on
Visit: in.canon

DSLR buyers can register on
https://edge.canon.co.in/ for free workshop and more

GET THE EDGE
A community of photographers. More information on https://edge.canon.co.in/gettheedge/

THE NEXT REVOLUTION IN PHOTOGRAPHY BUSINESS NETWORKING

# PHOTO VIDEO ASIA

WED 25 | THU 26 | FRI 27

SEPTEMBER 2019

PRAGATI MAIDAN
NEW DELHI, INDIA

OUR HIGHLIGHTS

300+ EXHIBITORS

50+ INTERNATIONAL PARTICIPANTS

45000+ VISITORS

PRODUCTS 150000+

NATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION 30+

INTERNATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION 15+

STALL BOOKING & SPONSORSHIP

DINESH PUNJABI
+91 99789 00279
dp@aakarexhibition.com

JAY JOSHI
+91 85111 65063
jay.joshi@aakarexhibition.com

RAVI AHUJA
+91 99789 01084
raviaakar6789@gmail.com

HEENA MEHTA
+91 98989 49393
heena@aakarexhibition.com

Workshop by Eminent Faculties

Display of Photographs of Eyewin Awards

ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT. LTD.

SUPPORTED BY
AIFPA ALL INDIA FEDERATION OF PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
UAPP UNITED ASIA PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
EYEWIN AWARDS

MEDIA PARTNER
Smart PHOTOGRAPHY
Better Photography

E-mail : photovideoasia@aakarexhibition.com
web : www.photovideoasia.com

For Free Entry Give Miss Call On
90150 32754

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

एक छवि का चित्रण सिर्फ कैमरा एक ओर ही नही अपितु दोनों ओर से होता है। - एडवर्ड स्टीकेन

महान विभूतियाँ

# ऑसवॉल्ट कार्नेक एडवर्ड

## (1907 - 1988)

ARPS, EFIAP

ऑसवॉल्ट कार्नेक एडवर्ड

1907 में जन्में और एक फॉरेस्ट अफसर के सबसे बड़े बेटे, जिन्होंने अपने पिता और तीन छोटे भाईयों के साथ अपना यौवन जीवन जंगल में ही बिताया। वह जंगल जहां आज आंध्र प्रदेश बस चुका है। शुरूआती सालों में वह शिकारी थे, बाद में शिकार छोड़कर वह सेंट जॉर्ज ग्रैमर स्कूल, हैदराबाद में सन 1928 में बतौर शिक्षक कार्य करने लगे। यहां उन्होंने 17 साल शिक्षण कार्य में सेवा देने के बाद 1945 में बैंगलॉर स्थित बिशप कॉटन बॉयज़ स्कूल में पढ़ाने लगे। यहां 27 साल काम करने के बाद वह 1971 में रिटायर हुए।

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी से वह हमेशा से ही प्रेम करते थे। 1927 से उनके अंदर हर प्रकार की फोटोग्राफी के प्रति दिलचस्पी जाग उठी। वो करीब 60 साल तक नेचर और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी करने में सक्रिय रहे। सांप, कीड़े इत्यादि की उन्होंने तस्वीरें ली, लेकिन उनकी तस्वीरों के खजाने में सबसे अधिक चिडियों के फोटोग्राफ है। 1938 में उन्होंने फोटोजर्नलिज़म का मैलिनसन कॉरेस्पॉडिंग कोर्स, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, इंग्लैंड से किया।

कई वर्षों तक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सैलन में उनकी लगातार भागीदारी रही। उन्हें कई प्रकार के सर्टिफिकेट व मेडल भी प्राप्त हुए। प्राकृतिक श्रेणी में उन्हें कई बार प्रथम पुरस्कार व अवॉर्ड से नवाज़ा गया। एक विख्यात अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी जो कि बफैलोए न्यू यॉर्क, यूएसए में आयोजित हुई उसमें उन्हें गोल्ड मेडल मिला। उनकी कई तस्वीरें विदेशी मैगजीन व किताबों जैसे लाइफ, वर्ल्ड बेस्ट मैगज़ीन इत्यादि में छापी जा चुकी हैं। उन्होंने तमाम मैगजीन के लिए कई आर्टिकल भी लिखे हैं। उन्होंने हैदराबाद स्थित जवाहर लाल नेहरू टेक्टिनकल यूनिवर्सिटी में फोटोग्राफी पर लेक्चर्स भी दिए हैं।

साथ ही कई सालों तक आंध्र प्रदेश फोटोग्राफिक सोसाइटी हैदराबाद में कई फोटोग्राफी क्लासेस ली हैं। मृत्यु से पहले तकरीबन 60 बैच खत्म कर चुके थे वह। आंध्र प्रदेश फोटोग्राफिक सोसाइटी के हॉनरेरी सदस्य व पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके थे, साथ ही मैसूर फोटोग्राफिक सोसाइटी, बैंगलॉर के फाउंडर मेंबर भी।

एडवर्ड के पास एक पुराना जॉयस आइकॉन आइडियल 2बी (6 सेमी × 9 सेमी) फॉर्मेट बैलो कैमरा और एक पुराना रोलीफ्लैक्स (6 सेमी × 6 सेमी) कैमरा था और वह वही इस्तेमाल करते थे। रोलीफ्लैक्स कैमरा 12 फ्रेम वाला कलर ट्रांस्पेरेंसीज़ लेने के काम आता था।

जॉयस आइकॉन 2बी कैमरा एक मध्य फॉर्मेट का कैमरा था जिसमें प्रति रोल में आठ फ्रेम प्राप्त होते थे। इसमें इंसेक्ट इत्यादि की क्लोज अप फोटोग्राफी केलिए डबल एक्सटेंशन बैलोज़ थे।

इन दोनों ही कैमरों में स्मूथ ब्लेड शटर था जो कि एयर रिलीज रिमोट कंट्रोल के साथ ऑपरेट किया जाता था। वह रॉन्डो का प्रयोग करते थे। रॉन्डो जापान द्वारा निर्मित एयर रिलीज गैजेट है जिसमें स्प्रिंग लोडड पिस्टन और पिन है। यह रबर ट्यूबिंग की लेंथ से दूसरे ओर के लॉर्ज रबर बल्ब से जुड़ा होता है। जब रबर बल्ब प्रेस होता था तो ट्यूबिंग के साथ कंप्रेस्ड एयर ट्रैवलिंग एयर रिलीज के पिस्टन को धक्का देती थी, इससे पिन पर जोर पड़ता था और शटर रिलीज होता था। यह एक बेहद आसान और लाभदायक गैजेट था जिसका इस्तेमाल उन्होंने मास्टरपीस बर्ड फोटोग्राफ खींचने में किया।

वर्ष 1943 में द रायल फोटोग्राफिक सोसाइटी, ग्रेट ब्रिटेन ने एसोसिएटशिप ARPS प्रदान किया और जीवन के अंत तक वह RPS के सदस्य रहे। ARPS मिलने के उपरांत उन्हें फ्रांस की संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डी एल-आर्ट फोटोग्राफीक ने EAFIAP से नवाजा। अधिकतर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सैलून व प्रदर्शनियों में वह नियमित रूप से जज की भूमिका में रहते थे।

उनकी मृत्यु अक्टूबर 26, 1988 में हुई, और संसार से लिजेण्डरी बर्ड फोटोग्राफर विदा हो गये।

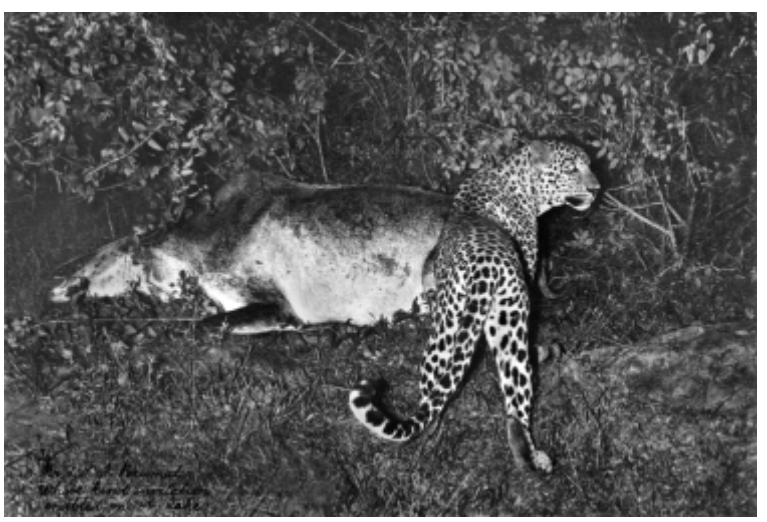

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

# सटीक व्हाइट बैलेंस की महत्ता


## मुकेश श्रीवास्तव
**FIE, FFIP, EFIAP**

**इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,**
**पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार**
**निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स**
**निकॉन मेण्टर (2015-2017)**
**एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब**


कई लाइट सोर्सेस में भी हमारी आंखें सफेद रंग को सफेद पहचानने में और काले रंग को काला पहचानने में कोई गलती नहीं करती। लेकिन डिजिटल कैमरों में ऑटो वाइट बैलेंस में परेशानियां होती हैं, और हल्का नीला, नारंगी या फिर हरा रंग आ जाता है। वाइट बैलेंस यानी जिसमें यथार्थवादी कलर कास्ट पाने की प्रक्रिया होती है ताकि ऑब्जेक्ट जो कि फ्रेम में सफेद दिखते हैं फोटो में भी सफेद ही दिखें।

कैमरा वाइट बैलेंस के लिए जरूरी है कि लाइट सोर्स के कलर टेंपरेचर पर ध्यान दें। डिजिटल वाइट बैलेंस को समझने के बाद आप कलर कास्ट को लेकर गलती नहीं करेंगे और इससे कई प्रकार की लाइट कंडीशन के बाद भी आपकी तस्वीरें सुधरेंगी।

### सही वाइट बैलेंस को चुनना

आपके कैमरे में कई प्री सेट ऑप्शंस हैं। लेकिन सटीक कलर टोन के लिए लाइट सोर्स के अनुसार वाइट बैलेंस का इस्तेमाल कीजिए। उदाहरण के तौर पर, सीधी सूरज की रोशनी में शूट करना। नीचे दिए चार्ट को देखिए-

Fig. 1

कई परिस्थितियों में ऑटो वाइट बैलेंस अच्छे से काम करता है। यदि आप RAW में शूट कर रहे हैं तो आप कैमरा ऑटो वाइट बैलेंस में सेट कर सकते हैं, रंग बाद में फोटोशॉप व अन्य एडिटिंग सॉफ्टवेयर से ठीक हो सकता है।

स्टूडियो लाइट से शूट करने के लिए ऑटो वाइट का प्रयोग न करें। इससे बेहतर है कि फ्लैश वाइट बैलेंस इस्तेमाल करें क्योंकि स्ट्रोब लाइट का कलर टेम्परेचर 5400 डिग्री केलविन के करीब होता है।

अगर आपने Incandescent रोशनी में फोटो खींचा है, इमेज प्रिव्यू करते समय यदि आपको नीला रंग मिला तो आप वाइट बैलेंस को इस प्रकार इस्तेमाल कर सकते हैं-

Incandescent वाइट बैलेंस सेलेक्ट करें। मल्टी सेलेक्टर कमांडर डायल से दायां ऐरो प्रेस करें। आपको कुछ ऐसा मिलेगा।

Fig. 2

अब आप टोन को अपनी पसंद से एडजस्ट कर सकते हैं एरौ को ए-बी और जी-एम पर ट्विस्ट कर के।

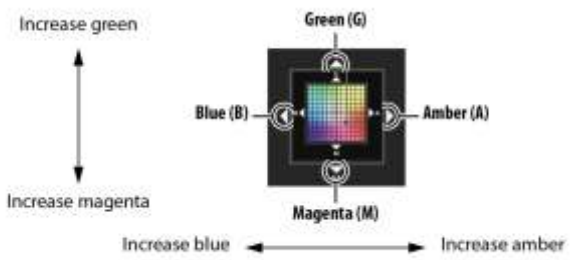


Fig. 3

### कलर टेम्परेचर को चुनना

बेहतर प्रोफेशनल क्वालिटी के लिए आप अपने अनुसार कलर टेम्परेचर चुन सकते हैं-

वाइट बैलेंस स्क्रीन से कलर टेम्परेचर विकल्प चुनिए

Fig. 4

स्टूडियो लाइट के लिए, कलर टेम्परेचर 5000 डिग्री केलविन चुनिए और नतीजे देखिए। इसे फ्लैश वाइट बैलेंस सेटिंग से कम्पेयर कीजिए।

जो बेहतर विकल्प हो उसे चुनिए-

फर्क समझने के लिए वाइट बैलेंस के विभिन्न विकल्पों से पोट्रेट को शूट कर के रंग में बदलाव देखिए।

### ऑटो वाइट बैलेंस :

Fig. 5

स्किन टोन गौर से देखिए। यह परफेक्ट है। इसमें हल्का लाल है।

Fig. 6

यहां एकदम अलग स्किन टोन में जिसमें नीला टोन है।

### फ्लॉरेसेंट

Fig. 7

यहां आप लाल रंग कास्ट देख सकते हैं

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

दुनिया में ऐसी कई चीजें हैं जिनका चित्र अगर मैंने नहीं लिया होता तो मुझे लगता है दुनिया उन्हें देखने से वंचित रह जाती। - डायना अर्बुस

**सीधी सूर्य रोशनी-**

Fig. 8

यहां स्किन टोन असली टोन के बहुत करीब है। ऐसा इसलिए क्योंकि मॉडल सीधी सूरज की रोशनी में बैठी थी।

**क्लाउडी-**

Fig. 9

यहां फिर से लाल रंग है।

**शेड**

Fig. 10

क्लाउडी से तुलना करें तो यहां आपको अधिक लाल रंग मिलेगा।

**5000के पर कस्टम वाइट बैलेंस**

Fig. 11

आप कस्टम कलर तापमान सेट कर सकते हैं। यहां मैंने 5000 केलविन में सेट किया था। अपने अनुभवों को देखते हुए मुझे यह लगता है कि 5000 केलविन कलर टेम्परेचर आउटडोर शूट के लिए एकदम सटीक है। यह मेरी पसंदीदा सेटिंग भी है। फिर भी यह परफेक्ट नहीं है। 100 फीसद परफेक्शन के लिए आपको न्यूट्रल ग्रे कार्ड इस्तेमाल करना चाहिए।

**न्यूट्रल ग्रे कार्ड का प्रयोग करना-**

Fig. 12 न्यूट्रल ग्रे कार्ड शूट पर

Fig. 13 न्यूट्रल ग्रे कार्ड कलर करेक्शन के उपरांत

यहां मॉडल (मिस नमो मित्रा) से न्यूट्रल ग्रे कार्ड पकड़ने को कहा गया और ऑटो WB मोड में शूट किया गया। इसके बाद फोटोशॉप में इसे प्रोसेस किया गया। WB टूल का प्रयोग कर के RAW प्रोसेसर में कलर टेम्परेचर लिया। विस्तृत जानकारी हेतु पृष्ठ 8 माह दिसम्बर 2018 स्टूडियो न्यूज को देखें।

आप स्किन टोन में बदलाव देख सकते हैं।

**कैमरा प्रिसेट फीचर-**

आप कैमरे से वाइट बैलेंस को मापने के लिए न्यूट्रल ग्रे कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।

| तरीका | व्याख्यान |
|---|---|
| सीधा मापना | फाइनल फोटोग्राफ में प्रयोग होने वाली लाइटिंग के नीचे न्यूट्रल ग्रे कार्ड या वाइट ऑब्जेक्ट रख दें और वाइट बैलेंस को कैमरे से मापें। |
| पहले से मौजूद फोटोग्राफ से कॉपी | वाइट बैलेंस फोटो से मेमोरी कार्ड पर कॉपी होता है |

Fig. 14

**फ्लैश-**

Fig. 15

यह फ्लैश मोड में WB सेट के साथ कैमरा फ्लैश का प्रयोग कर शूट किया गया था।

**नोट :**

डिजिटल सेंसर की वजह से, DSLR कैमरों के साथ व्हाइट बैलेंस बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ फोटोग्राफर फोटो के पूर्वावलोकन के बाद रंग तापमान निर्धारित करना पसंद करते हैं। लेकिन, एक वेडिंग फ़ोटोग्राफ़र, ट्रैवल फ़ोटोग्राफ़र और प्रेस फ़ोटोग्राफ़र के लिए, केल्विन में रंग तापमान का पूर्वावलोकन और सेट करने के लिए पर्याप्त समय प्राप्त करना संभव नहीं है, क्योंकि आप क्षणों के वास्तविक समय पर क्लिक करने से चूक जाएंगे।

इसलिए यदि आप RAW या RAW + JPEG में शूटिंग कर रहे हैं, तो मैं ऑटो WB में कैमरा सेट करने की सलाह देता हूँ और वांछित रंग टोन प्राप्त करने के लिए एडिटिंग सॉफ्टवेयर में WB को बहुत अच्छी तरह से ट्यून कर सकता हूँ।

**तुलना करें**

Fig. 16

सीनकटर

# फोटोग्राफी मेरे लिए पैशन ही नहीं ऑब्सेशन है

## त्रिलोचन एस. कालरा

**सम्पादकीय सलाहकार 'स्टूडियो न्यूज' एवं एमिटी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर व वरिष्ठ फोटो पत्रकार**


फोटोग्राफी का शौक सबमें होता है। लेकिन कैमरे से देखने की कला ही सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। क्या देखा जाए, क्या खींचा जाए जो एक अच्छी तस्वीर कहलाए। फोटोग्राफी में जितने भी सब्जेक्ट हैं, उससे ज्यादा उन्हें खींचने वाले हैं। सब छायाकारों के अपने-अपने मनपसंद सब्जेक्ट होते हैं। वे उस थीम को चुनकर उन्हीं विषयों की तस्वीरें करना पसंद करते हैं, जिनकी तस्वीरें उन्हें प्रसन्नता दें।

कई बार ऐसा भी होता है कि कोई खास विषयवस्तु किसी छायाकार को अपने मोहपाश में खींच लेती है, कि वे कई वर्षों तक एक ही थीम पर फोटो खींचते हुए साधनारत् रहते हैं। ऐसे विषयों में पृथ्वी का अप्रतिम सौन्दर्य जितनी विविधताएं लिये नजर आता है, उतनी ही विविधता उन्हें देखने वालों की नजर में भी दिख जाती है। भू-दृश्य (लैंडस्केप) फोटोग्राफी भी ऐसे ही रोचक व रचनात्मक विषयों में से एक है। प्रकृति के सौन्दर्य के दीवानों का आलम यह है कि हर नजर, हर बार कुछ अलग ही देखती है।

ईश्वर ने धरती पर जितना सौन्दर्य बिखेरा है, उसकी नैसर्गिक रूप-गाथा का वर्णन करने वह सब तक नहीं पहुँच सकता। इसलिए उसने धरती पर पहले नदी, बर्फ, बादल, जीव-जन्तु, जंगल, समुद्र, वनस्पतियों के साथ सांसारिक सृष्टि रची, फिर उन्हें सूरज, चांद और तारों के प्रकाश से सजाकर इन्सान को देखने वाली दृष्टि दी। अपनी द्वारा रची विलक्षण - अबूझ प्रकृति के रचनात्मक तिलिस्मी आकर्षण को देखने और समझने में जिन्हें सक्षम बनाया।

उन्हें कलाकार बनाकर धरती पर मनुष्य रूप में भेजा। उन्हें प्रकृति के विस्मयकारी रूपों को चित्रों, कविताओं, लेखन, नाट्य आदि जैसी विधाओं के माध्यम से दर्शाने का दायित्व देकर भेजा। प्रकृति के इस कलात्मक रूप का गुणगान तो वैसे अनादिकाल से हो रहा है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण प्रागैतिहासिक काल के बने शैल चित्र (रॉक पेंटिंग्स) देते है। जिस पाषाण युग के मानव की भाषा नहीं थी। कंदराओं में जंगली जीवन जीता था। उसे भी कलात्मक समझ थी। तभी तो शैल चित्रों का सृजन संभव हुआ। मुख्य काम देखने का ही है। इसलिये ईश्वर ने पहले दृष्टि को सजग व संवेदनशील बनाया, ताकि दृश्य देखकर हृदय में विचार आएं, जब विचार आएंगे तो उनमें ही कहीं न कहीं कला का अंकुर फूटेगा। तब कहीं कला का जन्म चित्रकला के रूप में हुआ होगा। जो आगे चलकर फोटोग्राफी के जन्म में सहायक बना होगा। चित्रकला हो या फोटोग्राफी दोनों विधाओं मे दृश्यांकन की समझ ही अहम् है।

## अनिल रिसाल सिंह

*MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.FSAP (India), Hon.TAPS (India), Hon.FICS (USA), Hon.PESGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Grand Progress Award GPA.PESGSPC (Cyprus), Hon. Master – Sigma Academy of Photography (India), Hon. Master – Tricity Photo Art Society (India)*

फोटोग्राफी कला में भी ईश्वर ने एक से बढ़कर एक नज़रबाज धरती पर कलाकारों के रूप में भेजे हैं। ये छायाकार या तो किसी एक विषयवस्तु को चुन लेते हैं फिर बरसों-बरस उस एक थीम पर कार्य करते रहते हैं। फिर एक दौर ऐसा आता है। जब छायाकार के अर्न्तमन से कोई नई कलात्मक गुहार उठती है। तो वो अचानक नहीं, लेकिन धीरे-धीरे किसी अन्य विषयवस्तु की तरफ आकृष्ट हो जाते हैं।

ऐसा ही कुछ उत्तर प्रदेश के लब्ध प्रतिष्ठित छायांकन विधा के रचनाधर्मी छायाकार श्री अनिल रिसाल सिंह के साथ भी हुआ। लैंडस्केप फोटोग्राफी यात्रा में 35 साल के बाद अर्न्तमन से उठी आवाज के बाद वे सोचने लगे कि अगर ईश्वर के बनाये सुंदर लैंडस्केप को यदि मैं अपने कैमरे से सुंदर दिखा रहा हूँ। तो कमाल क्या है। लैंडस्केप तो वैसे भी सुंदर है। सुन्दर को सुन्दर दिखाया तो क्या? बस इसी कलात्मक नये विचार ने लैंडस्केप फोटोग्राफी के सफर को थमने और पड़ाव डालने पर मजबूर किया। फिर परिवर्तन होने ही थे।

45 वर्ष के फोटोग्राफी के सफर में 35 साल लैंडस्केप चित्र खींचने के बाद आए इस दौर का अनिल स्वागत करते हैं। वे मानते हैं कि हर कलाकार के जीवन में यह पड़ाव आते हैं। इन्हें परिवर्तन भी माना जाता है, तो ये आने ही चाहिये। लैंडस्केप फोटोग्राफी से हटकर उनका ध्यान खींचने वाली जो नई विषयवस्तु थी। उसमें अलग चुनौतियाँ, भ्रम और भय था। लेकिन लैंडस्केप फोटोग्राफी से कुछ इतर करना था तो अनिल जी ने नई विषयवस्तु "फार्म, कलर एण्ड टैक्सचर" पर काम शुरू कर दिया। इसमें चुनौती साधारण, निर्जीव विषयवस्तु और उनके आकार-प्रकार के बीच से रोचक फार्मेशन वाली तस्वीरें निकालने की थी।

फिर तो प्राचीन, नये स्मारक, उनके भग्नावशेषों, लखौड़ी ईंटों के साथ भवनों के ज्यामितीय आकार, रोशनी की हर आभा में चित्र लेना उनका नया शगल बन गया। पंद्रह वर्षों से इस थीम पर अनिल के काम मे हर बार नयापन ही दिखता हैं। सड़क पर यातायात संचालन के लिए सफेद रंग की पट्टिकायें, रंगीन मार्ग विभाजक, दायें-बायें मुड़ने के ऐसे संकेतक चिन्ह भी उनकी तस्वीरों की विषय बन गए। उन्होंने जिस संजीदा नज़र से इन विषयों को देखा तो निर्जीव विषयवस्तु भी बोलती दिखी।

कैमरे में देखने के लिये आंखों का प्रयोग तो सभी करते हैं। लेकिन देखने की कला ही तो सबसे जुदा होती है। अपनी विलक्षण दृश्य देखन शैली से उन्होंने न केवल देश, प्रदेश में बल्कि विश्व में पहचान बनाई।

साढ़े चार दशक लम्बी इस चित्रयात्रा में अनिल जी को देश-विदेश से ढाई सौ से

ज्योमेट्रिक फॉर्म, कौसानी, उत्तराखंड (2017)

लैंडस्केप, बागेश्वर, उत्तराखंड

लैंडस्केप, कौसानी, उत्तराखंड (2018)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, डिजनीलैंड साउथ कोरिया (1995)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, डिजनीलैंड, साउथ कोरिया (1995)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, अटलांटा, यू.एस.ए. (2002)

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

कोई भी जगह बोरिंग नहीं होती है अगर रात में आपने भरपूर नींद ली है और जेब में रोल है। -रॉबर्ट एडम्स

ज्यादा प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चित्रयात्रा तब शुरू हुई थी जब अनिल छः वर्ष के थे। तो पिता को तस्वीरें लेते देखते थे और कभी-कभी जिद करते थे। तो पिता स्व. रिसाल सिंह उन्हें कैमरा दे देते थे। पिता विदेश जा रहे थे, तो उन्होंने बच्चों से पूछा तुम लोगों के लिए विदेश से क्या लाऊं, तो अनिल से झट से कह दिया कैमरा चाहिये।

फिर मिला उन्हें पहला 120 एम-एम फिल्म कैमरा "अग्फा आई सोली", फिर पिता ने कोडक कैमरा भी दिलाया। बस यहीं से अनिल की नजरें रोशनी, रंग और प्रकृति की भाषा पढ़ने लगी। वर्ष 1954 में ताज नगरी "आगरा" में जन्में अनिल ने लखनऊ के क्रिश्चियन कालेज से स्नातक तथा लखनऊ विश्व विद्यालय से परास्नातक के बाद मुम्बई के "इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी" से फोटोग्राफी में डिप्लोमा कोर्स किया। अनिल के लिये फोटोग्राफी "पैशन" नहीं "आब्सेशन" भी है। वे सोचते हैं कि अगर फोटोग्राफी न कर रहा होता तो क्या करता। फोटोग्राफी से अच्छा शायद ही कुछ और कर पाता। क्योंकि फोटोग्राफी ही मुझे सुकून, प्रसन्नता, स्वर्ग सी संतुष्टि देता है। कार्य वही करना चाहिये जिसको करने में तन-मन-आत्मा और इंद्रियां सब एक होकर प्रसन्नता वाले परिणाम दें। जिस काम में मन न लगे, तो मन मानकर के किया काम व्यर्थ ही रहता है। अनिल आज जिन ऊंचाईयों पर खड़े हैं उनमें सम्मान, पुरस्कार, सामाजिक

लैंडस्केप, "लद्दाख एलची" (1995)

मान्यता, सराहना, प्रर्दशनियों सब शामिल हैं। लेकिन फिर भी वे मानते हैं कि वो बस काम करते जा रहे हैं। बाकी तो आप दर्शकों और कला जगत को समझना है। वे मानते हैं कि नाम, शोहरत, पुरस्कार मिलते हैं तो अच्छा किसे नहीं लगता है, आखिर हूँ तो मैं भी इंसान। लेकिन काम सिर्फ पुरस्कार के लिये नहीं करता।

फोटोग्राफी में क्रिएटिविटी और एस्थेटिक्स को धीरे-धीरे सीखना ही अच्छा होता है। इसे एक ही छलांग में तय नहीं किया जा सकता। निरंतर अभ्यास, जुनून, समर्पण के साथ रचनात्मकता बढ़ानी चाहिये।

जैसे किसान को लहराते हरे खेत, मोर को वर्षा के बादल और पिता को अपना पुत्र देख खुशी होती है। वही परमानंद मुझे एक अच्छी तस्वीर को खींच लेने के बाद मिलता है। इसलिये चाहता हूँ लोग काम देखें, सराहना करें लेकिन यह तभी संभव हो जब काम शेयर किया जाये। फोटो प्रदर्शनी या सोशल मीडिया द्वारा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो खुशी अधूरी रह जायेगी, अगर बांटी नहीं गयी।

कोई फोटो यह सोच कर न लें कि इसे कान्टेस्ट में भेज कर पुरस्कार पाना है। इससे सिद्धि नहीं मिलती। फोटोग्राफी अभ्यास मांगती है। इसलिये मैं कोई विशेष तैयारी नहीं करता। जब शूट पर होता हूँ, तो आंखों देखे दृश्य जब व्यूफाइंडर से देखता हूँ तो मायने बदल जाते हैं। अच्छी तस्वीर की संभावनायें हर जगह होती है। जब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर फोटो प्रतिस्पर्धा में भाग लेना होता है। तो एक अच्छी फोटो के लिये 20 अच्छी फोटो खींचनी पड़ती हैं। तब कहीं जाकर पोर्टफोलियो बनते हैं। इसलिये फोटोग्राफी में धीरे-धीरे सीखकर आगे बढ़ते रहना चाहिये।

अपनी कार्यदक्षता के दम पर अनिल ने जो सर्वोत्कृष्ट सम्मान प्राप्त किये हैं। उनमें फ्रांस का प्रतिष्ठित "अन्तर्राष्ट्रीय मास्टर फेडरेशन इंटरनेशनल सम्मान (MFIAP)" भी शामिल है। जो भारत में मात्र 15 लोगों को प्राप्त है। उत्तर प्रदेश से इसे पाने वाले अनिल रिसाल सिंह हैं। इसके अलावा उन्हें भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर से विजुअल आर्ट के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए वर्ष 2018 में "सीनियर फेलोशिप" प्रदान की गई।

लैंडस्केप, जैसलमेर (2013)

"द रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ द ग्रेट ब्रिटेन" ने एसोसिएटशिप (ARPF) से नवाजा गया। अमेरिका की "फेलोशिप ऑफ इमेज कॉलीग सोसाइटी ऑफ अमेरिका" तथा ग्रीक स्कूल ऑफ फोटोग्राफिक कौउंसिल व न्यूजर्सी ने भी अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड प्रदान किये।

वर्ष 2011 में उन्हें भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा फोटोग्राफी के क्षेत्र में "राष्ट्रीय सम्मान" प्राप्त हुआ । इसके अलावा वे वर्ष 2009 में यूनेस्कों, कोडक एक्सीलैंस, सोनी वर्ल्ड फोटोग्राफी, वेनिस इंटरनेशनल अवार्ड, 2008 में उ.प्र. ललित कला अकादमी अवार्ड, सार्क, निकॉन, आल इंडिया फाइन आर्ट सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। विश्वभर में 500 से ज्यादा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आपके फोटोग्राफी लेख, रिसर्च पेपर प्रकाशित व चित्र प्रदर्शित हो चुके हैं। वे फोटोग्राफी शिक्षण भी करते हैं।

फोटोग्राफी के लिए महंगा कैमरा अनिवार्य नहीं मानते। वे कहते हैं जो भी आपके पास कैमरा है। उससे कार्य करते रहें, हो सकता है इन कैमरों की सीमाएं हो। लेकिन सब्जेक्ट के लिहाज से जहाँ फास्ट कैमरे और फास्ट अपर्चर लेंस की जरूरत हो तो वहाँ जरूर प्रयोग करें।

आज फिल्म फोटोग्राफी के बाद डिजिटल कैमरा हाँथ में है। अब मिररलेस आ गया है। लेकिन फिल्म प्रोसेस और प्रिंटिंग का जो रोमांच था। वह डिजिटल फोटोग्राफी में नहीं मिलता। डिजिटल के अपने हानि व लाभ हैं। खासकर डेटा संभालने के संबंध में। डिजिटल का एक और नुकसान कि अब हर कोई डिजिटल कैमरा लेकर फोटोग्राफर बन गया है। जबकि तकनीकी आस्पेक्ट्स और अभ्यास अलग है।

जो लोग एनालाग (फिल्म फोटोग्राफी) करते थे। वो मास्टर थे। वे कैमरे की तकनीक के साथ अपनी कम्पोजीशन, एक्सपोज़र व प्रिंटिंग की दक्षता से बढ़िया फोटो बना देते थे। इसलिये डिजिटल वाले नहीं जानते कि वे क्या मिस कर गये हैं।

अनिल फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। नेशनल रिसर्च लेब्रोरेटरी, कन्जर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रापर्टी, भारत सरकार में फोटो डिविजन प्रमुख पद से अवकाशप्राप्त हैं। वे लखनऊ कैमरा क्लब के अध्यक्ष हैं। इसके अतिरिक्त वे दर्जनों फोटोग्राफी संस्थाओं के ज्यूरी मेंबर, गेस्ट लेक्चर, फोटोग्राफी शिक्षण, रिसर्च पेपर, अन्तर्राष्टीय कांफ्रेंस में व्यस्त रहकर अपना योगदान छायाकंन विधा को दे रहे हैं।

लैंडस्केप, बागेश्वर, उत्तराखंड (1998)

निकॉन इंडिया ने अनिल जी को हाल ही में अपना मेंटर (गाइड) बनाकर उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। अनिल मानते हैं कि वे भाग्यशाली है कि ईश्वर ने उन्हें फोटोग्राफी का हुनर बक्शा है। इसी से अपनी तस्वीरों में क्रिएटीविटी व कनेक्टिविटी का समावेश कर पाते हैं। बात तभी बनती है। फोटोग्राफी मेरे जीन्स में ब्लड में है।

"फार्म, कलर एंड टेक्सचर" थीम पर जब भय और भ्रम की स्थिति में उन्होंने कार्य आरम्भ किया था। संकोचवश उन्होंने पहले कला मर्मज्ञ व समीक्षक प्रोफेसर श्री जय कृष्ण अग्रवाल व फोटो कला मर्मज्ञ बेनू सेन दादा से सलाह ली कि वे जिस राह पर चलना चाह रहे हैं। वह सही है या नहीं? तब दोनों कला विद्वानों ने उन्हें प्रोत्साहित किया कि जो कर रहे हैं सही कर रहे हैं। सही समय पर सही सलाह का मिलना जरूरी है। बस यहीं से राह आसान होती गई, वैसे कभी-कभी लैंडस्केप भी करते हैं।

अनिल मानते हैं कि फोटोग्राफी हो या अन्य कला उसमें एक्सपेरीमेंटल एप्रोच जरूर अपनानी चाहिये। ताकि हर बार काम मे नयापन नजर आये। कला का इतिहास देखें तो ऐसे ही प्रयोग करने वाले भरे पड़े हैं। अभिव्यक्ति की सभी कलाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

अतः कला को समझना जरूरी नहीं बल्कि कला से प्रभावित व प्रेरित होना जरूरी है। क्योंकि कला साइंस नहीं है, कला को देखकर खुश होना ही कला के प्रति समझ विकसित करना है। कालजयी रचनायें तभी जन्म लेती हैं, जब कला के सम्पूर्ण मर्म की समझ बढ़ने लगती है। तब चित्रों में संदेश नजर आता है। फोटोग्राफ का आस्पेक्ट और कम्यूनिकेशन क्या होना चाहिए। यह फोटो कहती है। इसके प्रति सदैव सजग रहना और लगन का धनी होना पहली शर्त है।

अनिल कहते हैं जब कभी हम बादलों के अजीब आकार सूरज की रोशनी संग अटखेलियां करते देखते हैं। तो हमें उनका संकेत समझ नहीं आता। लेकिन रोशनी की तान पर मोहित होकर सब्जेक्ट देखते हैं। दृश्य सम्मोहित करते हैं तो सम्मोहन वश फ़ोटो लेने लगते है। क्योंकि रोशनी की तान लुभाती है। ठीक वैसे ही जैसे एक रोता हुआ बच्चा मां की लोरी सुनकर चुप होता है। वह लोरी का अर्थ नहीं समझता। लेकिन मां की आवाज की मेलोडी समझता है। फोटोग्राफी में रंग, रोशनी के तिलिस्म में मनचाहे सुंदर फोटो बिना परिश्रम के नही खींचे जा सकते हैं। इसलिये कैमरे के व्यूफाइंडर में झांकने वाली आंख पर जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ जाती है। कैमरा तो यंत्र मात्र है और कैमरे के साधक आप हैं। सब नजर का खेल है। इसलिए नजर को अभ्यास की धार से पैना करना बहुत जरूरी है। अपनी मां की अस्वस्थता व उनकी सेवा में व्यस्त होने के बाद भी उन्होंने सीनकटर कॉलम के लिए वक़्त निकालकर बात की उसके लिए हाथ जोड़कर उनका विनम्र आभार। कलाकारों के जीवन मे अक्सर ऐसे लम्हे आते है। किंतु सीख दे जाते हैं। उसके लिए यही शब्द काफी हैं **"शो मस्ट गो ऑन"**।

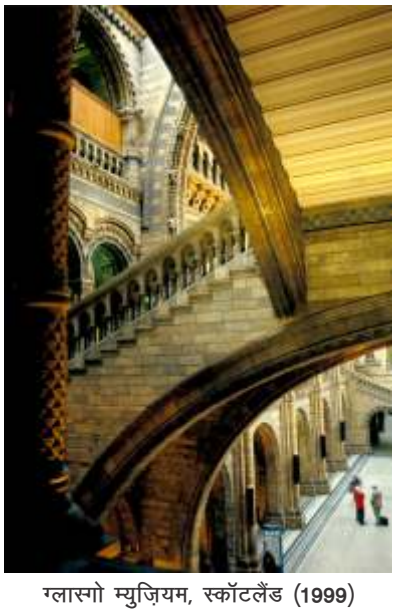

ग्लास्गो म्युज़ियम, स्कॉटलैंड (1999)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, जंतरमंतर, दिल्ली (2019)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, रेजीडेंसी, लखनऊ (2019)

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, लोटस टेम्पल, दिल्ली

फ़ॉर्म, कलर एण्ड टेक्सचर, उ.प्र. ललित कला अखिल भारतीय फोटोग्राफी कला अवार्ड (2014)

7 जुलाई 2019 को बाराबंकी में जिले के फोटोग्राफर्स साथियों के साथ फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं महामंत्री सुरेन्द्र सिंह बिष्ट

18 जुलाई 2019 को कनौज में निकॉन इंडिया एवं कनौज फोटोग्राफर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित फोटो वर्कशॉप

29 जुलाई 2019 को फतेहपुर में पैनासोनिक द्वारा आयोजित फोटो वर्कशॉप

30 जुलाई 2019 को मिर्जापुर में पैनासोनिक द्वारा आयोजित फोटो वर्कशॉप

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

तस्वीरों के साथ एक अच्छी बात ये है कि वे कभी नहीं बदलती, भले ही उन तस्वीरों में कैद लोग बदल जाएं। - एंडी वारहोल

# आईफोन फोटोग्राफी अवॉर्ड्स में भारतीयों का जलवा

## एप्पल ने की आईफोन फोटोग्राफी अवॉर्ड्स 2019 के विजेताओं की घोषणा

स्मार्टफोन फोटोग्राफी को पॉपुलर बनाने के लिए काम कर रहे वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** बता रहे हैं दुनिया भर के फोन फोटोग्राफरों के बीच मशहूर IPPAWARDS के बारे में।

आई-फोन फोटोग्राफी पुरस्कार (IPPAWARDS) के 12वें वार्षिक संस्करण के रिजल्ट की घोषणा हो चुकी है। दुनिया भर के 140 से अधिक देशों से आई हुई हज़ारों आई-फ़ोन फोटोग्राफरों की प्रविष्टियों में से इस वर्ष के विजेता फोटोग्राफरों का चयन जूरी ने किया गया। इस साल के 'ग्रैंड अवार्ड' और 'फोटोग्राफर ऑफ़ द इयर 'अवार्ड की विजेता रही इटली की **'गैब्रिएला सिग्लिआनो'**। उन्हें यह पुरस्कार उनकी तस्वीर **'बिग सिस्टर'** के लिए मिला है। इस बार दो भारतीय **'श्रीकुमार कृष्णन'** व **'डिंपी भालोटिया'** भी इस प्रतियोगिता के विजेताओं की लिस्ट में स्थान बनाए में सफल रहे हैं।

कर्नाटक के **श्रीकुमार कृष्णन** ने 'सनसेट' श्रेणी में पहला स्थान व महाराष्ट्र की **पी.भालोटिया** ने '3 फोटोग्राफ की सीरीज़' श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया है।

इस साल के ग्रैंड अवार्ड विजेता और फोटोग्राफर ऑफ़ द इयर अवार्ड की विजेता इटली की 23 साल की **गैब्रिएला सिग्लिआनो** बताती है कि पिछले साल मैंने तंजानिया के वासा में एक महीने लोगों को पढ़ाया। इटली वापस जाने से पहले हम ज़ांज़ीबार में रूके, जहाँ यह तस्वीर ली गई थी। मैं कुछ दूरी से इन दोनो बच्चों को उत्सुकता से देख रही थी। लेकिन वे शायद मुझसे ज्यादा उत्सुक थे, और शायद इसीलिए लड़की भी मुझे देख रही थी। मै स्थानीय भाषा के कुछ शब्द ही जानती थी इसलिए उनसे ज़्यादा बात करना संभव नहीं था। लेकिन वे बच्चे अपनी आँखों से बात कर सकते थे। जब मैं उन्हें फ़ोन में ली गई उनकी तस्वीर दिखा रही थी तो उनके भाव देखने लायक थे, यह पहली बार था जब वे अपना चेहरा देख रहे थे, दुर्भाग्य से मेरा आईफोन उनके हाथों में था इसलिए उनके वह भाव अपने फ़ोन कैमरा में कैद नहीं कर सकी।

वह कहती है मुझे यात्राएँ पसंद हैं। मैं जो देखती हूँ उसे अपने नज़रिये के साथ तस्वीरों के माध्यम से दूसरों के साथ साझा करती हूँ।

पुर्तगाल के **डियागो लैग** को उनकी तस्वीर 'सी स्ट्राइप्स' के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। डियागो के अनुसार फोटोग्राफी के लिए उनका प्यार सालों पहले ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म के साथ शुरू हुआ था। वह आज भी ब्लैक एंड वाइट फोटोग्राफी के प्रति अपने प्यार को बरक़रार रखे हुए हैं। वह रंगीन तस्वीरें अपवाद स्वरूप ही लेते हैं। उनकी पृष्ठभूमि कला और डिजाइन में है जहाँ से वह प्रेरणा और संदर्भों की तलाश करते हैं। 'सी स्ट्राइप्स' तस्वीर को सांता-रीटा बीच पर लिया गया था जहाँ समुद्र तट पर संगठित तरीके से लगे धारीदार टेंट छोटे गांव के सेट का आभास कराते हैं। इस तट पर लगे टेंट के मूड के साथ दूर एक धारीदार शर्ट का सह-संबंध तस्वीर की खूबसूरती है। उन्हें एनिमल केटेगरी में प्रथम पुरस्कार मिला है।

30 साल की **'यूलिया इब्राइवा'** को उनकी तस्वीर 'सॉरी नो मूवी टुडे' के लिए दूसरा ग्रैंड पुरस्कार मिला है। वह मास्को में 10 साल से ज्यादा समय से फोटोग्राफर / फोटो एडिटर और मीडिया प्रोड्यूसर के रूप में काम करती हैं। फोटोग्राफ उनके लिए जुनून और पेशा दोनों है।

Pic. : Gabriella Cigliano

Pic. : Peng Hao

तीसरे ग्रैंड पुरस्कार से चीन के **पेंग हाओ** को नवाज़ा गया। उनकी तस्वीर का शीर्षक था 'कम अक्रॉस'। वह पेशे से फिल्म डायरेक्टर व फोटोग्राफर हैं।

अन्य विजेताओं के विचार भी सुनने लायक हैं-

भारत की **डिम्पी भालोटिया** के अनुसार स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी किसी फोटोग्राफर के लिए दुनिया को देखने और कैप्चर करने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन उनके लिए, यह रचनात्मक फ़ोटोग्राफ़ी का सबसे कठिन और शुद्धतम रूप है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है, "डिसाइसिव मोमेंट" को कैद करने के लिए धैर्य और अवलोकन और सही समय की समझ होनी चाहिए। कैमरे से कैद की गई ये कहानियाँ काल्पनिक रचनाएँ नहीं हैं। यह "दुनिया की सबसे सच्ची कला है"।

एब्स्ट्रैक्ट कैटेगरी में दूसरे स्थान पर आई **जूलीअन कपलान** कहती हैं कि अपनी कला के माध्यम से वह दूसरों को भी उस पल को पकड़ने में सक्षम बना देती हैं। जूलीअन की दैनिक फोटोग्राफी उनके नज़रिये को बखूबी दर्शाती है।

एक और विजय प्रतिभागी **चुंगचेंग जिन** के अनुसार फोटोग्राफी में मेरी दिलचस्पी मुझे बहुत प्रेरणा देती है। मुझे तस्वीरों द्वारा जीवन की कहानियाँ कहना पसंद है।

ऑट्रेलिया की **सारी सुट्टन** को एब्स्ट्रैक्ट कम्पोज़िशन और कॉन्सेप्चुअल फोटोग्राफी में उनकी गहरी रूचि है। उन्हें अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से परिदृश्य के प्राकृतिक और मानव-निर्मित, औद्योगिक तत्वों के बीच अंतर का पता लगाना पसंद है।

Pic. : Diogo Lage

ज्यादातार विजेता प्रोफेशनल /शौकिया फोटोग्राफर, ग्राफ़िक डिज़ाइनर, राइटर जैसी कलाओ से जुड़े है और अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए उन्होंने स्मार्टफोन को एक उपयुक्त माध्यम पाया है।

ट्रेवल केटेगरी के विजेता चीन के लियू बो के अनुसार मुझे दुनिया देखना पसंद है और इस दौरान अभिव्यक्ति के लिए फ़ोन फोटोग्राफी से बढ़िया कोई माध्यम है।

प्रतिभागियों ने 18 निम्न श्रेणियों जैसे एब्स्ट्रैक्ट, पशु, आर्किटेक्चर, बच्चे, पुष्प, लैंडस्केप, जीवन शैली, प्रकृति, न्यूज़ और घटनाएँ, पैनोरमा, लोग, पोर्ट्रेट, 3 फोटोग्राफ की सीरीज, स्टिल लाइफ, सनसेट, यात्रा, पेड़, अन्य में अपनी तस्वीरें भेजी थी। जिनमे से जूरी ने सर्वोत्तम तस्वीरों को पुरस्कार के लिए चुना है। इन पुरस्कारों की शुरूआत साल 2007 में की गई थी जिस साल स्मार्टफोन कैमरा से लैस पहला आईफोन लांच हुआ था। तब से हर साल, आईफोन फोटोग्राफी पुरस्कार (IPPAWARDS) में दुनिया भर के आईफ़ोन फोटोग्राफरों अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। तस्वीरों की एडिटिंग के लिए सिर्फ आईओएस ऐप्स का उपयोग किया जा सकता है। साल 2019 के आई-फ़ोन फ़ोटोग्राफ़ी अवार्ड्स के विजेताओं ने दुनिया भर में आईफ़ोन पर शूट किए गए बेहतरीन तस्वीरों को दिखाया है।

विजेता तस्वीरों iPhone SE से iPhone XS तक से ली गई थी। यह आईफ़ोन से ली गई तस्वीरों के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता का मकसद आई-फ़ोन उपयोगकर्ताओं को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका देना है। इस प्रतियोगिता में तीन ग्रैंड प्राइज विनर्स के साथ-साथ 18 उपश्रेणियों में से प्रत्येक के लिए तीन विजेताओं का चयन किया जाता है।

Pic. : Dimpy Bhalotia

Pic. : Sreekumar Krishnan

Pic. : Yuliya Ibraeva

# तृतीय तिमाही फोटो प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ और सराहनीय

## सांत्वना (प्रथम)

संजय दास
धनबाद (झारखण्ड)

## सर्वश्रेष्ठ

32GB पेन ड्राइव

चन्द्र प्रकाश
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

## सांत्वना (द्वितीय)

सचिन शुक्ला
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

## सांत्वना (तृतीय)

अनुभव पटेल
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

## सराहनीय

16GB पेन ड्राइव

निर्भय श्रीवास्तव
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अगस्त 2019 से 5 सितम्बर 2019

किसी व्यक्ति की तस्वीर को ज्यों का त्यों उतार देना एक बात है और एक काबिल फोटोग्राफर उस व्यक्ति की आत्मा को भी उस तस्वीर में कैद कर सकता है। - पॉल कपोनिग्रो

# बहस क्यों?

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

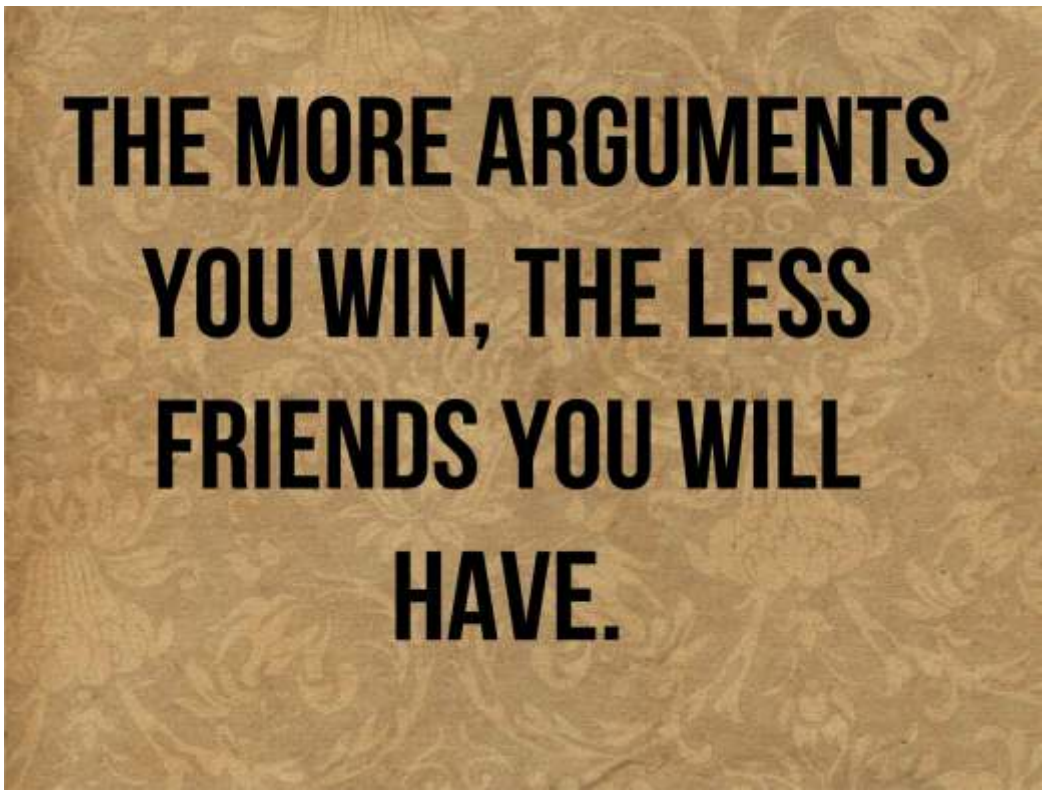


'बहस' यानि की 'आर्ग्यूमेंट्स' की यदि हम बात करें और अगर आप सब ये सोचने की कोशिश करें कि पिछली बार आपने बहस कब की थी। तो हर व्यक्ति का जवाब अलग-अलग होगा। कोई तो बोलेगा की आज ही उसकी किसी से बहस हुई है, तो कोई बोलेगा कि दो-तीन दिन पहले और कोई तो बोलेगा कि उसे याद नहीं कि उसकी किसी से हाल ही में बहस हुई हो। हर एक व्यक्ति की सोच से ही उसका आचरण निर्धारित होता है। अब बहस होगी तो अंत में या कोई एक हारेगा और दूसरा कोई जीतेगा। किसी भी बहस को जीतने का सबसे अच्छा तरीका होता है 'बहस न करना'। बहस करने में होता ये है कि जब आप किसी से अपनी बात कर रहे होते हैं और दूसरा व्यक्ति उस पर अपना तर्क दे कर बोले कि मैं जो कह रहा हूँ वो सही और आप गलत। तो आपके मन में गुस्से की भावना आती है और आप उसकी इस बात पर कुछ और तर्क देने लगते हैं। सामने वाला व्यक्ति अब आपके तर्क को सुनकर अपनी बात रख कर बहस करने लगता है और दोनों एक दूसरे को गलत साबित करने में लग जाते हैं। धीरे-धीरे ये बहस एक बड़ा रूप ले सकती है। जो कहीं न कहीं किसी के लिए अवश्य नुकसानदेह है। अगर आपने दूसरे को गलत ठहराया है तो वह भी आपको गलत ठहरायेगा या कभी इसका उल्टा भी हो सकता है, यानी कि आप किसीसे किसी विषय पर बात कर रहे होते हो, और अचानक आप कुछ ऐसी बात बोल देते है जिससे सामने वाला सहमत नहीं हो। तो वह आदमी आपको बोल देगा कि भाई तुम जो बोल रहे हो वह गलत है, सच्चाई तो यह है, और फिर आप भी सामने वाले को गलत साबित करने लगेंगे। यानी कि अगर उसने आपको गलत ठहराया है तो आप भी उसको गलत ठहराने की कोशिश करेंगे और इसी तरह से बहस की आग धधकने लगेगी।

आगे होगा ये कि आप दोनों एक दूसरे के ऊपर अपने-अपने तर्क के तीर चलाने लग जायेंगे। तमाम तथ्यों का उपयोग करके सामने वाले को गलत साबित करने की कोशिश करेंगे और शायद ये भी साबित करने की कोशिश करेंगे कि सामने वाला पहले भी ऐसे ही किसी अन्य विषय पर हुई बहस में गलत साबित हो चुका है। यही सब साबित करने के चक्कर में एक दूसरे से ऊंची आवाज़ में बात करने लगते हैं और कभी-कभी तो सामने वाले का मज़ाक भी उड़ाने लगते हैं।

इस प्रकार की गयी बहस के दो परिणाम आ सकते हैं। एक तो ये कि आप हार जायेंगे और सामने वाला जीतेगा और दूसरा ये कि सामने वाला हार जायेगा और आप जीत जायेंगे। चलिए मान लेते हैं कि आप ये बहस जीत जाते हैं।

सामान्य तौर पर किसी भी बहस के दो परिणाम आ सकते है और दूसरा आदमी अपनी हार मान लेता है। पर सोचिये आप बहस जीत कर सामने वाले इंसान को हार गए। क्यूंकि बहस को जीतने के लिए आप ये साबित करते हैं कि दूसरा आदमी गलत है मतलब उसको आपसे कम ज्ञान है। आप अपने तर्कों से साबित करने की कोशिश करेंगे कि जो भी वो बोल रहा है वो गलत है मतलब आप उसको शत प्रतिशत झूठा बता रहे हैं। तब आप किसी से कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वो व्यक्ति जिसको आप झूठा और अज्ञानी साबित कर चुके हैं वो आपको सम्मान दे कर बात करेगा। आप किसी को भी नीचे दिखाकर उसकी नज़रों में ऊपर नहीं आ सकते।

जब कभी ऐसा होता है और आप किसी को बहस के दौरान झूठा ठहराते हैं तो यदि उस व्यक्ति को कभी कहीं मौका मिलेगा तो वो आपको सबके सामने गलत ठहराकर बदला लेने की कोशिश करता है। इसका मतलब है कि मौका मिलने पर वो आपके साथ दोबारा किसी और मुद्दे पर बहस करेगा और अब वो आपको झूठा और अज्ञानी साबित करने की कोशिश करेगा और फिर आपको उसके बाद जब कभी मौका मिलेगा तो आप ऐसा करने का प्रयास करेंगे और ये सिलसिला हमेशा चलता रहेगा।

ये कई बार देखा गया है कि हम सब ऐसी छोटी-छोटी और बेबुनियाद बातों पर बहस करते हैं जो हमारे लिए मायने नहीं रखती है। जैसे कोई फ़िल्मी हीरो फिल्म में काम करने का कितना पैसा लेता है, कौन सा नेता अच्छा है, कौन सी फिल्म ने कितनी कमाई की, शहर में कौन सा डॉक्टर सबसे अच्छा है आदि।

अब आप खुद ही सोचिये कि ऐसी बेकार की बातों पर बहस करने से क्या फायदा है। चलिए यदि आपने सामने वाले को मनवा दिया कि कौन सा फ़िल्मी हीरो अच्छा है तो वो हीरो आपको कोई फायदा देने जा रहा है क्या? बल्कि आप बहस करने वाले व्यक्ति से अपने सम्बन्ध बिगाड़ लेंगे। बहस करने में आप अपना समय ही बर्बाद करेंगे। उसी समय को आप दोनों किसी अच्छी बात करने में उपयोग कर सकते थे, जिसमें आप दोनों को आनंद आता और आप दोनों के सम्बन्ध खराब नहीं होते। पर यदि आपको बात-बात पर बहस करने की आदत है तो बावजूद इसके कि आप जानते हैं कि आप गलत हैं, आप बहस में लगे रहते हैं। जिससे कि आपको सबके सामने झूठा न साबित होना पड़े।

सीधी सी बात ये है कि किसी से भी बहस करने का कोई फायदा नहीं है। हमेशा दोनों ही बहस करने वालों का नुक्सान ही होता है और कोई फायदा होते नहीं दिखता है। तो यदि आपको बहस जीतना है तो आप कभी किसी से बहस न करें क्यूंकि जब आप बहस जीतते हैं तो हमेशा आप सामने वाले को हार जाते हैं।

स्टूडियो न्यूज

## तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :

1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 अक्टूबर 2019

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

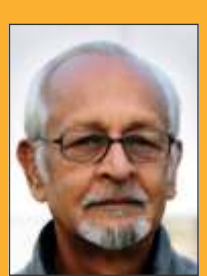

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

**Z 7** — 45.7 megapixels | 493 AF points^ | 8K time-lapse movie* | 25600 ISO

**Body MRP: ₹ 2 30 450.00** Body + Lens (24-70mm) f/4 S MRP: ₹ 2 71 450.00

**Z 6** — 24.5 megapixels | 12 FPS# | 4K UHD full-frame movie | 51200 ISO

**Body MRP: ₹ 1 56 450.00** Body + Lens (24-70mm) f/4 S MRP: ₹ 1 97 950.00

**Price quoted is for one unit of product. MRP inclusive of all taxes.** | ^In FX format with single-point AF.
*8K time-lapse movie production requires third-party software | #When using 12-bit RAW | Premium SMS charges applicable
Accessories shown above are only for reference & not provided with the product | ˇ32GB XQD card + Card reader with Z6, 64GB XQD card with Z7 | Conditions apply: Get 1pc of "Battery EN-EL15B" MRP worth ₹4 250.00 on purchase of Z6, Z7 for more offers visit our website.

Included: XQD Cardˇ &
Jealiot Runner Bag with Z6 and Z7

And Choose Any One Offer:

ATOMOS Ninja V Monitor Recorder
₹ ~~(76 700.00)~~ ₹ 45 990.00
OR
Zhiyun Crane 3 Lab Creator Package
₹ ~~(1 00 000.00)~~ ₹ 52 990.00
OR
Zhiyun WEEBILL LAB Gimbal
Creator Package ₹ ~~(65 000.00)~~ ₹ 30 000.00
OR
Zhiyun WEEBILL LAB Gimbal
₹ ~~(49 999.00)~~ ₹ 22 000.00

Corporate/Registered Office & Service Centre: **Nikon India Pvt. Ltd.,** Plot No.71, Sector 32, Institutional Area, Gurgaon-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). Ph.: 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, **Service Ph.:** 0124 4688514, **Service ID:** nindsupport@nikon.com, **Sales and Support ID:** nindsales@nikon.com

**TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA** ▶ SMS NIKON <PINCODE> to 58888 ▶ CALL TOLL FREE NO.: 1800-102-7346 ▶ VISIT OUR WEBSITE: www.nikon.co.in


RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
**सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट,** फोन - 0522-4108575, ई-मेल: infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in